Course : **B.Ed., Part-II**

Paper : **XVI Pedagogy of Biological Science (जीव विज्ञान का अध्यन)**

Prepared by : **Dr. Meena Kumari**

Topic : संविभाग (Portfolio)

संविभाग
(Portfolio)

31.1 प्रस्तावना (Introduction)

पोटफोलिया या संविभाग छात्रों के प्रत्यक्ष मूल्यांकन का एक तकनीक है। इस इकाई के अन्तंगत संविभाग के अर्थ तथा उद्देश्यों के विषय में चर्चा की गई है। पोर्टफोलियों के विभिन्न प्रकार होते हैं। इसकी भी चर्चा इस इकाई में की कई गई है। संविभाग विकास के विभिन्न चरणों के विषय में भी इस इकाई में बतलाया गया है।

31.2 सविभाग का अर्थ उद्देश्य (Meaning and Objectives of Portfolio)

संविभाग का प्रयोग छात्रों के प्रत्यक्ष मूल्यांकन में किया जाता है। छात्रों के विशिष्ट एवं खास क्षेत्रों में उनके प्रदर्शन एवं कार्यों का संग्रह है। यह संग्रह किसी खास उद्देश्य पर आधारित होता है। संविभाग के माध्यम से छात्रों की पुरी जानकारी रखी जाती है। संविभाग एक ऐसा बस्ता या फाइल है जिसमें छात्रों से संबंधित विशेष जानकारी – उपस्थिति, उसकी शैक्षिक स्थिति, सामाजिक स्थिति या आर्थिक स्थिति तथा उपलब्धियों इत्यादि को सुरक्षित रखा जाता है। यह छात्रों के कार्यों में भागीदारी, कसौटी तय करने की क्षमता, कार्यों को चुनन की तथा उसके आत्मचिन्तन की योग्यता को दर्शाता है। अतः पोर्टफोलियों विशेष जानकारी का संग्रह होता है। छात्र पोर्टफोलियो पाठ्यचर्या के काम का आकलन, शिक्षा की प्रगति तथा शैक्षणिक उपलब्धियों के मूल्यांकन के लिए इकट्ठे हुए शैक्षिक साक्ष्य के अन्य रूपों का एक संग्रह है। कॉपी, प्रपत्र, टिप्पणी या ग्राफ के रुप में हो सकता है। पोर्टफोलियों का उपयोग प्राथमिक, मिडिल या उच्च विद्यालय स्तर पर भी किया जा सकता है। छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि पोर्टफोलियों के कार्यों का चयन और मूल्यांकन कर सके। पोर्टफोलियों संग्रह के बाद उसका छात्र एवं उनके अभिभावक का चर्चा होना भी आवश्यक है। पोर्टफोलियों में सिर्फ छात्रों के अच्छे या उत्तम कार्यों का संग्रह ही होना आवश्यक है।

पोर्टफोलियों के निम्न उद्देश्य (Objectives) होते हैं:–

1. संविभाग का उपयोग विशेष जानकारी को संकलित करने में होता है।
2. छात्रों के विभिन्न अवधारणाओं के विकास, क्रियाओं, कौशल तथा व्यवहारगत विकास के कालचक्र को प्रदर्शित करता है।
3. छात्र–शिक्षक के बीच सम्प्रेषण तथा चिंतन में मदद करता है।
4. शिक्षकों तथा अभिभावकों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान में मदद करता है।
5. छात्रों के मूल्यांकन तथा निर्णय में मदद करता है।

31.3 पोर्टफोलियो या संविभाग के प्रकार (Types of Portfolio)

1. **विकास पोर्टफोलियो (Growth Portfolio):** इसमें छात्रों के विकास तथा बदलाव को संग्रहित किया जाता है। यह छात्रों के प्रगति, मजबुती एवं कौशल के विषय में जानकारी देता है।
2. **प्रदर्शन पोर्टफोलियों (Showcase Portfolio):** यह सेमेस्टर तथा वार्षिक (Year end) सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां को दर्शाता है। इसमें उत्तम कार्यों को संग्रहित कर दर्शाया जाता है। छात्रों के कौशलों एवं अभिक्षमताओं को प्रदर्शित की जाती है।
3. **मूल्यांकन पोर्टफोलियों (Evaluation Portfolio):** इसमें उपलब्धियों का दस्तावेज तैयार करना है। तय मापदंड के आलोक में प्रगति का दस्तावेजी करना।

संविभाग

पोर्टफोलियों के निम्न उद्देश्य (Objectives) होते हैं:–

1. संविभाग का उपयोग विशेष जानकारी को संकलित करने में होता है।
2. छात्रों के विभिन्न अवधारणाओं के विकास, क्रियाओं, कौशल तथा व्यवहारगत विकास के कालचक्र को प्रदर्शित करता है।
3. छात्र–शिक्षक के बीच सम्प्रेषण तथा चिंतन में मदद करता है।
4. शिक्षकों तथा अभिभावकों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान में मदद करता है।
5. छात्रों के मूल्यांकन तथा निर्णय में मदद करता है।

31.3 पोर्टफोलियो या संविभाग के प्रकार (Types of Portfolio)

1. **विकास पोर्टफोलियो (Growth Portfolio):** इसमें छात्रों के विकास तथा बदलाव को संग्रहित किया जाता है। यह छात्रों के प्रगति, मजबुती एवं कौशल के विषय में जानकारी देता है।
2. **प्रदर्शन पोर्टफोलियों (Showcase Portfolio):** यह सेमेस्टर तथा वार्षिक (Year end) सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां को दर्शाता है। इसमें उत्तम कार्यों को संग्रहित कर दर्शाया जाता है। छात्रों के कौशलों एवं अभिक्षमताओं को प्रदर्शित की जाती है।
3. **मूल्यांकन पोर्टफोलियों (Evaluation Portfolio):** इसमें उपलब्धियों का दस्तावेज तैयार करना है। तय मापदंड के आलोक में प्रगति का दस्तावेजी करना।

31.4 संविभाग या पोर्टफोलियो तैयार करने के चरण (Stages of Portfolio Development)

1. **उद्देश्य (Purpose):** जिस उद्देश्य से बनाया गया है, उसको जानना।
2. **श्रोतागण (Audience):** इसमें कौन दर्शक एवं श्रोतागण होंगे उसका चयन करना।
3. **सामग्री (Content):** किस–किस कार्य को सम्मिलित करना है।
4. **प्रक्रिया (Process):** प्रक्रिया के अन्तर्गत कार्यों का चुनाव, कार्यों का विश्लेषण तथा प्रदर्शन की तैयारी करना।
5. **प्रबंधन (Management):** संविभाग तैयारी में समय और सामग्री की व्यवस्था।
6. **संप्रेषण (Communication):** संविभाग कब और कैसे प्रदर्शित की जाए।
7. **मूल्यांकन (Evaluation):** मूल्यांकन में संविभाग की सभी पहलुओं की जाँच करना होता है।

31.5 सारांश (Summary)

संविभाग एक फाइल या बस्ता की तरह होता है। जिसमें छात्रों से संबंधित विशेष जानकारी को संकलन तथा प्रदर्शित किया जाता है। पोर्टफोलियो तीन प्रकार का होता है:– विकास पोर्टफोलियो, प्रदर्शन पोर्टफोलियो तथा मूल्यांकन पोर्टफोलियो। पोर्टफोलियो मूल्यांकन का एक प्रत्यक्ष तकनीक है। पोर्टफोलियो को बनाने के विभिन्न चरण होते हैं।

31.6 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

1. पोर्टफोलियों के अर्थ तथा प्रकार का वर्णन कीजिए।
   Describe the meaning and types of Porfolio.
2. पोर्टफोलियों विकास के विभिन्न चरणों की विवेचना कीजिए।
   Discuss the various stages of Portfolio development.

31.7 प्रस्तावित पाठ (Suggested Readings)

1. Maheshwari V.K (Teaching of Biology)
2. Rastogi Gopal Krishna/Educational Evaluation.
3. अस्थाना, डा० विपिन, शैक्षिक मूल्यांकन।

♦♦♦